Roll No. ------------------

**MASL-202**

**गद्य एवं पद्य काव्‍य**

MA Sanskrit(MASL)

2ndYear, Examination 2024 (Dec.)

**TIME: 2 Hours Max Marks: 70**

नोट : यह प्रश्‍नपत्र सत्‍तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्‍डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्‍येक खण्‍ड में दिए गए विस्‍तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्‍नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्‍नों के उत्‍तर दी गई उत्‍तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्‍त (बी) उत्‍तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

**खण्‍ड -क**

**(दीर्घ उत्‍तरों वाले प्रश्‍न)**

**नोट : खण्‍ड 'क' में पॉच(05) दीर्घ उत्‍तरों वाले प्रश्‍न दिये गये हैं, प्रत्‍येक प्रश्‍न के लिए उन्‍नीस (19) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो(02)प्रश्‍नों के उत्‍तर देने हैं । (2×19=38)**

**1.निम्नलिखित श्लोकों में से किन्ही दो की ससन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।**

(क ) धूमज्योतिः सलिलमरूतां सन्निपातः क्व मेघः, सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः ।

इत्यौत्सुक्याद परिगणयन्गु हृदकस्तं ययाचे, कामाता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतना चेतनेषु ।।

(ख) पत्रश्यामा दिनकरहयस्पर्धिनो यत्र वाहाः , शैलोदग्रास्त्वमिव करिणो दृष्टिमन्तः प्रभेदात्।

योधाग्रण्यः प्रतिदशमुखं संयुगे तस्थिवांसः , प्रत्यादिष्टाभरणरूचयष्चन्द्रहांसव्रणाड्.कैः।।

(ग) कश्चित्कान्ताविरहगुरूणा स्वाधिकारात्प्रमन्तः

शापेनास्तंड्मितमहिमा बर्षभोग्येण भर्तुः ।

यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु

स्निग्धच्छायातरूषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु ।।

(घ) त्वामासारप्रशमितवानोपप्लवं साधु मूहर्ना

वक्ष्यत्यदृध्वश्रमपरिगतं सानमानाभ्रकृट: ।

न क्षुदो पि प्रथम सुकृतापेक्षया संभप्राया

प्राप्ते मित्रे भवति विमुख: कि पुनर्यस्तथोच्चै ।।

**2.निम्नांकित गद्यांश में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।**

(क) बटुरसौ आकृत्या सुन्दरः वर्णेन गौरः, जटाभिर्ब्रह्मचारी। वयसा षोडशवर्षदेशीय कम्बुकण्ठः, आयतललाटः, सुबाहुर्विशाललोचनश्चाऽऽसीत्।

(ख) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर-चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य। अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वत्सरं द्वादशसु भागेषु विभनक्ति, अयमेव कारणं षण्णामृतूनाम्, एष एवाङ्गीकरोति उत्तरं दक्षिणं चायनम्, एनेनैव सम्पादिता युगभेदाः, एनेनैव कृताः कल्पभेदाः, एनमेवाऽऽश्रित्य भवति परमेष्ठिनः परार्द्धसङ्खया, असावेव चर्कर्तिबर्भर्ति जर्हर्तिं च जगत्, वेदा एतस्यैव वन्दिनःगायत्री अमुमेव गायति, ब्रह्मनिष्ठा ब्राह्मणा अमुमेवाहरहरुपतिष्ठन्ते। धन्य एष कुलमूलं श्रीरामचन्द्रस्य प्रणम्य एष विश्वेषामिति उदेष्यन्तं भास्वन्तं प्रणमन् निजपर्णकुटीरात् निश्चक्राम कश्चित् गुरुसेवनपटुर्विप्रबटुः।

(ग) ‘‘शनैः शनैः पारस्परिक-विरोध-विशिथिलीकृत-स्नेहबन्धनेषु राजसु, भामिनी-भ्रूभंग-भूरिभाव-प्रभाव-पराभूतवैभवेषु भटेषु, स्वार्थचिन्तासन्तान वितानैकतानेषु अमात्यवर्गेषु प्रशंसामात्रप्रियेषु प्रभुषु’’। ‘‘इन्द्रस्त्वं कुवेरस्त्वं वरूणस्त्वमिति वर्णनमात्रसक्तेषु।’’

**3.** आधुनिक संस्कृत गद्य साहित्य के विकास में पन्डित अम्बिकादत्त व्यास के योगदान को रेखांकित कीजिए।

**4.** ‘शिवराजविजय’ के प्रथम निश्वास के आधार पर तात्कालिक सामाजिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए ।

**5.** **मेघदूत पर अपने शब्दो में निबन्ध लिखिए** ।

**खण्ड – ख**

**लघु उत्तरों वाले प्रश्न**

**नोट : खण्‍ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्‍तरों वाले प्रश्‍न दिये गये हैं, प्रत्‍येक प्रश्‍न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्‍नों के उत्‍तर देने हैं। (4×8=32)**

1. गीतिकाव्य की दृष्टि से मेघदूत की समीक्षा कीजिए।

2. **न क्षुद्रो पि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय। प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः कि पुनर्यस्तथोच्चैः।।** सूक्ति की व्याख्या कीजिए ।

3. **‘‘हिंस्रः स्वपापेन विहिंसितः खलः साधुः समत्वेन भयाद् विमुच्यते’’** इस पद्य का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए ।

4.दण्डी के विषय में परिचय दीजिये ।

5.गद्य काव्य के भेदों का वर्णन करते हुए शिवराजविजय का महत्व बताइए।

6. शिवाजी ने अफजल खान को कैसे मारा इसके विषय में परिचय दीजिये ।

7. **‘‘विष्णोर्माया भगवती यया सम्मोहितं जगत्’’** इस पद्य का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए ।

8 .पं0 अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली पर प्रकाश डालिए।